



ओम् शान्ति

युवा प्रभाग-ब्रह्माकुमारीज

Divya Darpan (DiDar) Group दिव्य दर्पण ग्रुप (तीव्र पुरुषार्थ के लिए)

दिनांक: 25/02/08

अव्यक्तमूर्त बापदादा के दिलतखनशीन और विश्व राज्य के तखनशीन, सदा अपने साइलेन्स की शक्ति को आगे बढ़ाने का उमंग-उत्साह देने वाले सर्व निमित्त दैवी टीचर बहनों वा भाईयों और सर्व दिव्य दर्पण के सदस्यों प्रति,

युवा प्रभाग की ओर से दादी रतन मोहिनी जी एवं वी.के.चन्द्रिकाबहन की मधुर याद स्वीकार करना जी।

आपको बताते हुए अति हर्ष हो रहा है कि दिव्य दर्पण ग्रुप के सदस्यों की ओर से बड़े अच्छे अनुभव के समाचार एवं चार्ट की रीजल्ट के पोस्ट कार्ड प्राप्त हो रहे हैं। आज दिन तक 1520 जितने भाई-बहनों ने अपना नाम दर्ज कराया है।

मार्च मास में दिनचर्या में दृढ़तापूर्वक नियमितता लाने का पुरुषार्थ हम सभी करेंगे ही और साथ-साथ विशेष 18/02/08 की अव्यक्त मुरली में बापदादा ने कहा "आप शान्ति की देवियां, शान्ति के देव जितना शक्तिशाली शान्ति की शक्ति को प्रयोग करना चाहिए उतना कम है।... अभी शान्ति की शक्ति के वायब्रेशन चारों ओर फैलाओ।" अतः

- परिवर्तन का संकल्प जिस प्रकार हम फरवरी मास में लिखते थे उसी प्रकार से मार्च मास में भी लिखेंगे और हर रोज अमृतवेला अपने आपको बैज लगाना है कि मुझे परिवर्तन होना ही है।
- प्रतिज्ञा: (दिन में कम से कम एक बार प्रेम बुक में लिखनी है)
बापदादा की आशाओं अनुसार मैं आत्मा मन्सा, वाचा, कर्मणा 'दिव्य दर्पण' बन ब्राह्मण जीवन की प्राप्ति को स्मृति में रखते हुए अपने युवा जीवन को सेवा में सफल करूंगा/करूंगी।
- शान्ति की शक्ति के लिए इस पत्र के साथ एक चार्ट संलग्न किया गया है। यह पुरुषार्थ शुरू करने से पहले कृपया दिनांक 18-02-08 की अव्यक्त वाणी अवश्य पढ़ें। अगर अभ्यास किया है तो उस के सामने ✓ लगाना है और नहीं किया तो × लगाना है। मास के अन्त में यह चार्ट अपनी निमित्त टीचर बहन को दे देना है।
- स्वमान –इस पत्र के साथ दिये गये हर रोज के स्वमान को एक दिन पहले रात को सोते समय पढ़ें और सुबह बाबा से गुड़पोर्निंग करने के पश्चात् उस स्वमान को प्रैक्टिस करें और अमृतवेला से लेकर दिनभर उस पर विविध रीति पुरुषार्थ करें। प्रेमबुक में उसे दिनभर में कम से कम 21 बार या ज्यादा बार लिखें। मार्च मास के स्वमान इस प्रकार हैं:

- | | |
|--|---|
| 1) मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ। | 17) मैं आत्मा शान्ति का अवतार हूँ। |
| 2) मैं आत्मा शान्ति का अवतार हूँ। | 18) मैं आत्मा शान्ति का दैव/दैवी हूँ। |
| 3) मैं आत्मा शान्ति का दैव/दैवी हूँ। | 19) मैं आत्मा शान्ति का फरिश्ता हूँ। |
| 4) मैं आत्मा शान्ति का फरिश्ता हूँ। | 20) मैं आत्मा मा.शान्ति का सागर हूँ। |
| 5) मैं आत्मा मा.शान्ति का सागर हूँ। | 21) मैं आत्मा शान्ति का पूंज हूँ। |
| 6) मैं आत्मा शान्ति का पूंज हूँ। | 22) मैं आत्मा शान्ति की शक्ति से सम्पन्न हूँ। |
| 7) मैं आत्मा शान्ति की शक्ति से सम्पन्न हूँ। | 23) मैं आत्मा शान्तिस्तम्भ हूँ। |
| 8) मैं आत्मा शान्तिस्तम्भ हूँ। | 24) मैं आत्मा शान्ति के सागर की संतान हूँ। |
| 9) मैं आत्मा शान्ति के सागर की संतान हूँ। | 25) मैं आत्मा शान्तिधाम की निवासी हूँ। |
| 10) मैं आत्मा शान्तिधाम की निवासी हूँ। | 26) मैं आत्मा शान्ति की मणी हूँ। |
| 11) मैं आत्मा शान्ति की मणी हूँ। | 27) मैं आत्मा शान्ति का चुम्बक हूँ। |
| 12) मैं आत्मा शान्ति का चुम्बक हूँ। | 28) मैं आत्मा शान्ति का सितारा हूँ। |
| 13) मैं आत्मा शान्ति का सितारा हूँ। | 29) मैं आत्मा शान्ति की ज्योति हूँ। |
| 14) मैं आत्मा शान्ति की ज्योति हूँ। | 30) मैं आत्मा शान्तिदूत हूँ। |
| 15) मैं आत्मा शान्तिदूत हूँ। | 31) मैं आत्मा शान्ति का परवाना हूँ। |
| 16) मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ। | |

Chart for March

Divya Darpan Group

Efforts for the month of March-2008

Name:	Centre:											Zone:																			
अलग-अलग समय की स्मृतियां	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1. आंख खुलते ही मैं आत्मा शान्तिधाम से अवतरित हुई हूँ।																															
2. अमृतवेले योग में स्वमान के अभ्यास के साथ यह विज्युलाईज करते जाएं कि मुझ आत्मा से शान्ति की किरणें चारों ओर फैलती जा रही है और सारा विश्व शान्त होता जा रहा है।																															
3. कार्य व्यवहार में आते अपने को शान्ति का फरिश्ता महसूस किया?																															
4. ट्राफिक कंट्रोल के समय शान्तिधाम (टॉप) की स्थिति में स्थित हुए?																															
5. नुमाशाम शान्ति की दैवी / दैव बन अशान्त आत्माओं को शान्ति का वरदान दिया?																															
6. शान्तिधाम में विश्राम किया?																															